

Question Paper Code : 8295

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Batch)

AGAD TANTRA VYAVHAR AYURVEDA

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग के उत्तर पृथक्-पृथक् उत्तर पुस्तिका में लिखिए तथा सभी प्रश्नों का उत्तर क्रमवार से लिखिए।

भाग - 'अ'

1. विष के गुणों की कार्मुकता लिखते हुए नाग (Lead) की विषाक्तता के लक्षण, घातक मात्रा, घातक अवधि व चिकित्सा वैधानिक पक्ष लिखकर उसकी चिकित्सा का स्पष्ट उल्लेख कीजिए। [15]
2. अगदतन्त्र की परिभाषा एवं महत्व का वर्णन करते हुए जाड्गम विष के अधिष्ठानों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए। [15]
3. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [5x4=20]
(क) Vitriolage
(ख) विषोपक्रम (चरकोक्त)



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

KAPWING

(ग) मदात्यय

(घ) संयोगज विष

भाग - 'ब'

2. कौमार्य का चिकित्साविधिक महत्व लिखते हुए मृत्यु के चिह्नों पर विस्तृत प्रकाश डालिए। [15]

5. दग्ध की परिभाषा, वर्गीकरण तथा मृत्योत्तर परिवर्तन का वर्णन कीजिए। [15]

6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [5x4=20]

(क) निमज्जन (Immersion)

(ख) मरणोत्तर नीलाभ (Lividity)

(ग) विभ्रम (Halucination)

(घ) Sign of Death का क्रमवार नामोल्लेख

----- X -----

Question Paper Code : 8290

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

[Second Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में लिखिए : [2×10=20]

- (क) आर्तव क्षय के लक्षण एवं चिकित्सा।
- (ख) असुन्दर रोग में पथ्य-अपथ्य।
- (ग) योनि धावन एवं औषधियां
- (घ) नष्टपुष्पान्तक रस के घटक एवं उपयोग।
- (ङ) योनि अर्श की चिकित्सा
- (च) Sign & Symptoms of Pelvic infection
- (छ) PAP SMEAR

- (ज) Uses of Cusco's speculum
- (झ) Complications of Intra-uterine contraceptive devices
- (ञ) स्तन-विद्रधि की चिकित्सा

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए : [5×4=20]

- (क) स्तन रोग के निदान, लक्षण एवं चिकित्सा
- (ख) PNDT ACT (Pre-Natal Diagnostic Techniques)
- (ग) योनि पिचु को बनाने की विधि एवं प्रयोग
- (घ) Investigations in Male and Female Patient infertility

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए।

3. योनि-व्यापद रोगों की संख्या, निदान, सम्प्राप्ति, सामान्य चिकित्सा लिखते हुए सूचीमुखी एवं षण्डी योनि व्यापद पर विस्तार से लिखिए। [15]

4. योनि भ्रंश (Genital Prolapse) के कारण, लक्षण, भेद एवं चिकित्सा का उभयमतानुसार वर्णन कीजिए। [15]
5. उचरवस्ति की परिभाषा, काल, मात्रा, रोगाधिकार एवं विधि पर विस्तार से लिखिए। [15]
6. स्त्रियों में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के गर्भ निरोधक उपायों का वर्णन करते हुए इसकी उपयोगिता पर लिखिए। [15]

----- X -----

Question Paper Code : 8293

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

KAUMARBHRITYA

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(अतिलघुउत्तरीय प्रश्न)

[20]

1. (a) आचार्य सुश्रुत के अनुसार कौमारभृत्य की परिभाषा लिखिए।
[2]
- (b) कुमार कल्याण रस के घटक द्रव्य लिखिए। [2]
- (c) बी.सी.जी. वैक्सीन की मात्रा एवं लगाने का स्थान लिखिए।
[2]
- (d) MORO reflex [2]
- (e) बालकों में प्रयोग की जाने वाली चार जान्तव (Animal origin) औषधियों के नाम लिखिए। [2]

8293/300

(1)

[P.T.O.]

- (f) APGAR SCORE में A, P, G, A, R क्या हैं ? [2]
- (g) उत्फुल्लिका रोग के क्या लक्षण हैं ? [2]
- (h) युग्यातत्राग्निदीपनम् किस व्याधि का चिकित्सा सूत्र है ? [2]
- (i) नानावर्ण पुरीषत्वमुदरे ग्रन्थयः सिराः किस व्याधि का लक्षण है ? [2]
- (j) दंतोद्भव जन्य व्याधियों के नाम लिखिए। [2]
2. स्वर्णप्राशन के महत्व का वर्णन करते हुए लेहन के योग्य एवं अयोग्य बालकों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। [20]
3. कुपोषण जन्य व्याधियों के नाम लिखते हुए, फक्करोग के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा उपक्रम लिखिए। [20]
4. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : [20]
- (a) Neonatal Jaundice
- (b) जातहारिणी
- (c) जलशीर्ष (Hydrocephalus)
- (d) Down Syndrome

5. अन्तर स्पष्ट कीजिए :

[20]

- (a) अहिपूतना एवं अंधपूतना
- (b) उल्बा एवं उल्बक
- (c) कुमारागार एवं कुमाराधार
- (d) Caput Succidanum एवं Cephalohematoma

----- X -----

Question Paper Code : 8289

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

PRASUTI TANTRA

[First Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में लिखिए : [2×10=20]

- (क) गर्भ की परिभाषा लिखिए।
- (ख) गर्भ सम्भव सामग्री
- (ग) गर्भिणी पाण्डु की चिकित्सा
- (घ) गर्भाशयन्तर मृत गर्भ के लक्षण
- (ङ) ऋतुकाल से आप क्या समझते हैं ?
- (च) स्तन्यजनन द्रव्यों के नाम लिखिए।

- (छ) गर्भपाल रस के प्रयोग
- (ज) प्रजायनी के लक्षण
- (झ) सूतिका काल के विषय में लिखिए।
- (ञ) प्रतापलंकेश्वर रस का रोगाधिकार

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए : [5×4=20]

- (क) अपरासंग (Retention of Placenta)
- (ख) मूलाधार छेदन (Episiotomy)
- (ग) Rh-incompatibility
- (घ) ऋतुमती स्त्री के लक्षण

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में लिखिए :

3. सद्योगृहीत गर्भा के लक्षण लिखते हुए गर्भिणी परिचर्या का वर्णन कीजिए। [15]

4. प्रसवपूर्व रक्तस्राव (Ante partum Haemorrhage) के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिए। [15]
5. मूढ़गर्भ (Obstructed Labour) की परिभाषा, भेद एवं चिकित्सा सिद्धान्त लिखिए। [15]
6. सूतिका रोगों की संख्या लिखते हुए सूतिका ज्वर के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिए। [15]

----- X -----

Question Paper Code : 8294

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

चरक संहिता उत्तरार्द्ध

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। एक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर लिखिए।

अधिकतम 400 शब्दों में उत्तर लिखिए :

1. रसायन सेवन के लाभ लिखते हुए आचार रसायन का विस्तार से वर्णन कीजिए। [15]
2. क्षतक्षीण के 'पर' एवं 'अपर' निदान स्पष्ट करते हुए क्षतक्षीण का चिकित्सा सिद्धान्त लिखिए तथा क्षतक्षीण के चरकोक्त दो योगों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। [15]
3. चरक संहिता में हिक्का एवं श्वास रोग का वर्णन एक ही अध्याय में क्यों किया गया है ? श्वास रोग के भेद बताते हुए चिकित्सा सिद्धान्त लिखिए। [15]

4. अनुवासन एवं आस्थापन वस्ति में भेद करते हुए उत्तर वस्ति का विस्तार से वर्णन कीजिए। [15]

5. निम्नलिखित पर अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर लिखिए : [5x4=20]

- (i) वमन एवं विरेचन द्रव्यों की कार्मुकता
- (ii) दन्ती-द्रवन्ती की संग्रह विधि एवं गुण.
- (iii) वमन व्यापद्
- (iv) काल-कर्म-योग वस्ति

6. निम्नलिखित का अधिकतम 40 शब्दों में उत्तर लिखिए : [2x10=20]

- (i) कुष्ठ के दोष-दूष्य
- (ii) ज्वर का प्रत्यात्म लक्षण
- (iii) रक्तपित्त की साध्यासाध्यता
- (iv) वातज गुल्म का चिकित्सा सिद्धान्त
- (v) उदर रोगों का क्रमानुसार नामोल्लेख

- (vi) तक्रारिष्ट का रोगाधिकार एवं मुख्य घटक
- (vii) मृत्तिकाजन्य पाण्डु का चिकित्सा सिद्धान्त
- (viii) आमोतिसार का चिकित्सा सूत्र
- (ix) सुधा कल्प
- (x) सर्वश्रेष्ठ विरेचन द्रव्य

----- X -----

Question Paper Code : 8292

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

SWASTHAVRITTA

[Second Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. मातृ एवम् शिशु कल्याण कार्यक्रम की विस्तृत व्याख्या कीजिए। [15]
2. वायु प्रदूषण का वर्णन करते हुए वेन्टीलेशन (Ventilation) के प्रकारों का वर्णन कीजिए। [15]
3. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [5x4=20]
 - (क) Life style disorder
 - (ख) Public health administration
 - (ग) Disposal of Dead body
 - (घ) W.H.O.

4. स्वस्थवृत्त की दृष्टि से संक्रामक रोगों का वर्णन कीजिए एवम् उनसे बचाव के उपाय पर प्रकाश डालिए। [15]
5. विसंक्रमण (Disinfection) की परिभाषा लिखते हुए इसके प्रकारों का विस्तृत वर्णन कीजिए। [15]
6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : [5x4=20]
- (क) Health statistics
 - (ख) Occupational health
 - (ग) Treatment of hard water
 - (घ) Preventive geriatrics

----- X -----

Question Paper Code : 8291

B.A.M.S. (Third Prof.) Examination, 2019

(New Course)

SWASTHAVRITTA

[First Paper]

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2×10=20]
- (क) ऋतु सन्धि का वर्णन कीजिए।
 - (ख) मयूरासन से लाभ
 - (ग) यम एवं नियम के भेद लिखिए।
 - (घ) कपालभांति
 - (ङ) कटु रस की उत्तम दातौन का नाम लिखिए।

8291/300

(1)

[P.T.O.]

- (च) यमद्रष्टा का वर्णन कीजिए।
- (छ) विटामिन 'सी' की कमी से होने वाले रोग का नाम लिखिए।
- (ज) मधुमेह में उपयोगी किन्हीं चार आसनों का नाम लिखिए।
- (झ) क्रिया योग के नाम लिखिए।
- (ञ) विटामिन 'डी' की दैनिक मात्रा लिखिए।

खण्ड-ख

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

- 2. अपर निन्दित पुष्प का वर्णन कीजिए। [5]
- 3. षट्कर्म का वर्णन कीजिए। [5]
- 4. मिट्टी चिकित्सा लिखिए। [5]
- 5. द्वादशासन का वर्णन कीजिए। [5]

खण्ड-ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

- 6. स्वस्थवृत्त की परिभाषा लिखते हुए हेमन्त ऋतुचर्या का वर्णन कीजिए। [15]



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

KAPWING

7. अष्ट आहार विधि विशेषायतन का विस्तृत वर्णन कीजिए। [15]
8. अष्टांग योग के नाम लिखते हुए, प्राणायाम का वर्णन कीजिए। [15]
9. निसर्गोपचार के सिद्धान्त लिखते हुए जल चिकित्सा का वर्णन कीजिए। [15]

----- X -----